कपड़ा और परिधान विज्ञान विभाग

विभागीय गतिविधि 2023-24

DEPARTMENT OF FABRIC AND APPAREL SCIENCE

DEPARTMENTAL ACTIVITY 2023-24

1. शालिनी बंसल द्वारा व्याख्यान (14 अगस्त 2023)

प्लेसमेंट समिति के सहयोग से, विभाग ने हमारे प्रतिष्ठित पूर्व छात्रा, शिक्षिका, सलाहकार, और स्टार्ट-अप "M2M" की संस्थापक, श्रीमती शालिनी बंसल का व्याख्यान आयोजित किया। उनके प्रस्तुतीकरण का विषय "फैशन उद्योग में छात्रों के लिए उभरते गैर-पारंपरिक मार्ग" था। उन्होंने पारंपरिक भूमिकाओं से परे नवाचार कैरियर पथों पर प्रकाश डाला, जैसे कि स्थायी फैशन, फैशन तकनीक, नैतिक प्रथाएं, अनुकूली कपड़े, और व्यक्तिगत सेवाएं। उनके विचारों और अनुभवों ने छात्रों को विविध, गैर-पारंपरिक अवसरों की खोज करने के लिए प्रेरित किया। यह सत्र सूचनात्मक और प्रेरणादायक दोनों था, जिसमें छात्रों को बदलते फैशन परिदृश्य में सफलता प्राप्त करने के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

1. **Talk by Shalini Bansal (14th August 2023)**

In collaboration with the Placement Committee, department hosted a talk by Ms. Shalini Bansal, an esteemed alumna, educator, consultant, and founder of the start-up "M2M." Her presentation focused on "Emerging Non-Conventional Avenues for Students in the Fashion Industry." She highlighted innovative career paths beyond traditional roles, such as sustainable fashion, fashion tech, ethical practices, adaptive clothing, and personalized services. Her insights and experiences encouraged students to explore diverse, unconventional opportunities. The session was both informative and inspiring, offering valuable guidance on navigating and succeeding in the evolving fashion landscape.

2. M.Sc [FAS] Orientation for Batch 2023-2025.

प्राकृतिक रंगों पर प्रशिक्षण (11 सितंबर 2023)

विभाग ने "प्याज के छिलके से रंग निकालने और उसे वस्त्रों पर लगाने" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। यह महत्वपूर्ण पहल कल्पतरु- सेंटर फॉर सस्टेनेबल टेक्सटाइल्स द्वारा आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल रंगाई तकनीकों को बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों ने प्याज के छिलकों से रंग निकालने और विभिन्न कपड़ों पर इसे लगाने की कला सीखी, जिससे उन्हें जीवंत रंग प्राप्त हुए। इस कार्यशाला ने प्राकृतिक रंगाई प्रक्रियाओं पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की और प्रतिभागियों में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा दिया।

(a) Training on Natural Dyes (11th September 2023)

Department has organized a workshop on the "Application of Onion Peel Dyes on Textiles." This significant initiative by the Kalpataru- Centre for Sustainable Textiles aimed to promote sustainable and eco-friendly dyeing techniques. Participants learned the art of extracting dye from onion peels and applying it to various fabrics to achieve vibrant shades. The workshop provided valuable insights into natural dyeing processes, fostering environmental consciousness among attendees.

विशेषज्ञ प्रिया विज द्वारा वार्ता **(11 सितंबर 2023)**

हमारे विभाग की प्रतिष्ठित पूर्व छात्रा (1996 बैच) और वर्तमान में फैबइंडिया ओवरसीज में टेक्सटाइल और हार्ड गुड्स विशेषज्ञ, सुश्री प्रिया विज ने उद्योग के महत्वपूर्ण कौशलों पर एक प्रेरणादायक वार्ता दी। उन्होंने अनुकूलनशीलता, तकनीकी विशेषज्ञता, रचनात्मकता और स्थायी प्रथाओं की मजबूत समझ के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने पेशेवर सफर को साझा किया और कपड़ा उद्योग की बदलती मांगों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिससे छात्रों को इन महत्वपूर्ण कौशलों को विकसित करने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे इस क्षेत्र में सफल करियर बना सकें।

(b) Expert Talk by Priya Vig (11th September 2023)

Ms. Priya Vij, an esteemed alumna of our department (1996 batch) and currently a Textile and Hard Goods Specialist at Fabindia Overseas, delivered an inspiring talk on essential industry skills. She emphasized the importance of adaptability, technical expertise, creativity, and a strong understanding of sustainable practices. She shared her professional journey and provided valuable insights into the evolving demands of the textile industry, motivating students to cultivate these critical skills for successful careers in the field.

3. प्राप्त निधि (25 सितंबर 2024)

प्राकृतिक रंगों पर प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए दिल्ली के पंचशील पार्क स्थित इनरव्हील क्लब से 1,35,000/- रुपये की धनराशि प्राप्त हुई।

3. Received funds (25th September 2024)

Received funds of 1,35,000/- from the Innerwheel Club, Panchasheel Park, Delhi, to conduct training on Natural Dyes.

4. खादी दिवस समारोह **(3 अक्टूबर 2023)**

खादी को राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में महत्व देने के लिए छात्रों को जागरूक करने हेतु "खादी दिवस" पर एक प्रस्तुति प्रदर्शित की गई। इसके बाद, हस्तकरघा वस्त्रों के संग्रह पर एक चर्चा आयोजित की गई, जिसमें उनके कपड़े और स्टाइलिंग पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक वस्त्रों और उनके सांस्कृतिक महत्व के प्रति छात्रों की सराहना को गहरा करना था, जिससे हस्तकरघा शिल्प और स्थायी फैशन प्रथाओं के लिए अधिक समझ और सम्मान को प्रोत्साहित किया जा सके।

4. Khadi Day Celebration (3rd October 2023)

To sensitize students on the importance of khadi as a symbol of national pride, a presentation was displayed in the foyer on "Khadi Day". Following this, a discussion took place on a collection of handloom garments, focusing on their fabric and styling. The event aimed to deepen students' appreciation for traditional textiles and their cultural significance, encouraging a greater understanding and respect for handloom craftsmanship and sustainable fashion practices.

5. शिल्प संग्रहालय का दौरा **(4 अक्टूबर 2023)**

4 अक्टूबर को, MSc 3 के छात्रों ने 'गांधी' पर एक प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए शिल्प संग्रहालय का दौरा किया, जो हस्तशिल्प और एआई पर केंद्रित थी। इस दौरे ने पारंपरिक शिल्प कौशल और आधुनिक तकनीक के समन्वय पर अंतर्दृष्टि प्रदान की, गांधीजी के स्थायी प्रथाओं पर प्रभाव को उजागर किया। प्रदर्शनी ने एक मूल्यवान शैक्षिक अनुभव प्रदान किया, जिससे छात्रों की हस्तशिल्प के सांस्कृतिक और तकनीकी पहलुओं की समकालीन नवाचारों के संदर्भ में समझ गहरी हुई।

5. Visit to Crafts Museum (4th October 2023)

On October 4th, MSc 3 students visited the Crafts Museum to attend an exhibition on 'Gandhi,' which focused on handcrafting and AI. The visit offered insights into the integration of traditional craftsmanship with modern technology, highlighting Gandhi's influence on sustainable practices. The exhibition provided a valuable educational experience, deepening the students' understanding of the cultural and technological aspects of handcrafting in the context of contemporary innovations.

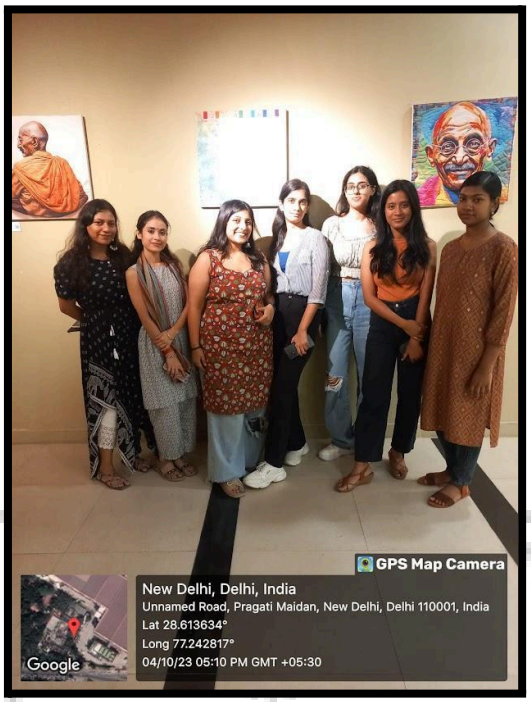

6. पानीपत का दौरा **(6 अक्टूबर 2023)**

विभाग (39 लोग) ने पानीपत के दो कारखानों और शहर के बाजार का दौरा किया। केजी एंटरप्राइजेज एक कपास पुनर्नवीनीकृत धागा और गैर-बुना उत्पादन इकाई है। छात्रों ने वर्दियों को रेशे के अनुसार छांटना, श्रेडिंग, गार्नेटिंग और सुई से बने गलीचे बनाने की प्रक्रियाएँ देखीं। मालिक बहुत आतिथ्यपूर्ण थे और छात्रों के लिए भविष्य की इंटर्नशिप आदि में रुचि दिखा रहे थे, और उन्होंने निर्माण के विभिन्न चरणों में विभिन्न नमूने दिए। दूसरा कारखाना, टोक्यो वेलवेट, मखमल की रंगाई इकाई थी जहाँ जंबो जिगर, ब्रशिंग और फिनिशिंग मशीनें थीं। इस स्टूडियो में मखमल पर अत्याधुनिक धुलाई प्रभाव और गड्ढे करघों पर बने कुशन भी थे। यह यात्रा सूचनात्मक और आनंददायक दोनों थी।

6. Visit to Panipat (6th October 2023)

The Department (39 people) visited 2 factories and the city market of Panipat. KayGee enterprises is a production unit of cotton recycled yarn and non-wovens. The students saw sorting of uniforms as per fibre, shredding, garneting, and making of needle punched rugs. The owners were very hospitable and keen on future internships etc of the students, and gave various samples at different stages of manufacture. The second factory, Tokyo Velvet, was a dyeing unit for velvets where there were jumbo jiggers, brushing and finishing machines for velvet. This studio had state of the art washed effects on velvet, and cushions made on pit looms as well. The trip was informative as well as enjoyable.

7. "कल के लिए बुना हुआ: परंपराओं को बनाए रखना, हथकरघा और नैतिक कपड़ों के ब्रांड बनाना" पर वार्ता (27 जनवरी 2024)

27 जनवरी, 2024 को "Woven for Tomorrow: Sustaining Traditions, Handlooms, and Building Ethical Clothing Brands" शीर्षक से एक ऑनलाइन वार्ता आयोजित की गई। रस्टिक ह्यू की संस्थापक, सुश्री सुकृति प्रधान ने एक नैतिक ब्रांड बनाने की अपनी यात्रा से अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने पारंपरिक हस्तकरघा तकनीकों को संरक्षित करने के महत्व, स्थायी फैशन को बढ़ावा देने में आने वाली चुनौतियों और एक सफल नैतिक कपड़ों का ब्रांड बनाने के लिए अपनाई गई रणनीतियों पर चर्चा की। इस वार्ता ने स्थिरता को व्यावसायिक प्रथाओं में एकीकृत करने पर मूल्यवान सबक प्रदान किए और प्रतिभागियों को नैतिक फैशन आंदोलन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

7. Talk on "Woven for Tomorrow: Sustaining Traditions, Handlooms and Building Ethical Clothing Brands" (27th January 2024)

An online talk titled "Woven for Tomorrow: Sustaining Traditions, Handlooms, and Building Ethical Clothing Brands" was organized on January 27th, 2024. Ms. Sukriti Pradhan, Founder of Rustic Hue, shared insights from her journey of building an ethical brand. She discussed the importance of preserving

traditional handloom techniques, the challenges faced in promoting sustainable fashion, and the strategies employed to create a successful ethical clothing brand. The talk provided valuable lessons on integrating sustainability with business practices and inspired attendees to contribute to the ethical fashion movement.

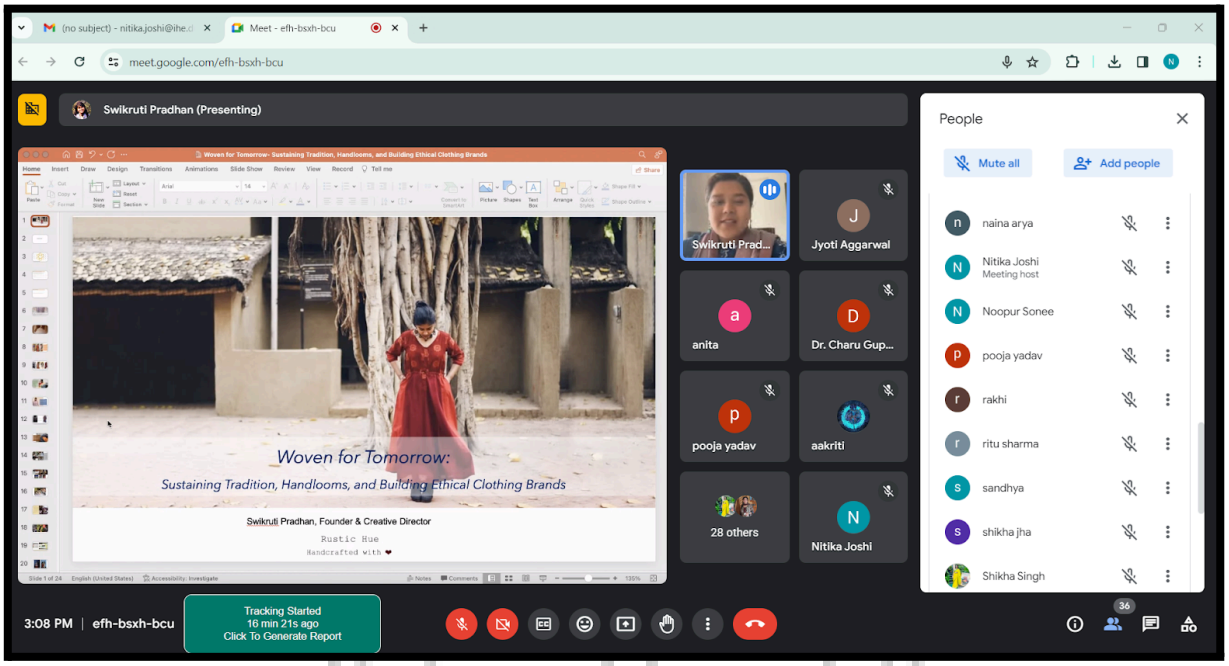

8. फैब फेस्ट समारोह **(30 - 31 जनवरी 2024)**

विभाग का त्योहार फैब फेस्ट 30 और 31 जनवरी, 2024 को आयोजित किया गया, जिसमें वार्ताएँ, व्यावहारिक कार्यशालाएँ और एक क्राफ्ट मेला शामिल था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वस्त्र और परिधान विज्ञान में नवीनतम रुझानों और तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करना और वस्त्रों की समृद्ध विरासत का जश्न मनाना था। इसने छात्रों को अपने रचनात्मक, प्रबंधकीय और तकनीकी कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे छात्रों, उद्योग के पेशेवरों और शिक्षाविदों के बीच नेटवर्किंग और सहयोग को सुविधाजनक बनाया जा सके। इस उत्सव ने वस्त्र और परिधान उद्योग में स्थायी प्रथाओं के प्रति जागरूकता और प्रशंसा को बढ़ावा दिया। मेले में विभिन्न कारीगरों ने पारंपरिक वस्त्र, हस्तनिर्मित आभूषण और हस्तकरघा साड़ियों जैसे हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिससे छात्रों और आगंतुकों को अनूठे शिल्प की सराहना और खरीदारी करने का अवसर मिला, और स्थानीय कारीगरों को समर्थन मिला।

8. FAB Fest Celebration (30th – 31st January 2024)

The Department festival FAB Fest was held on 30th and 31st January, 2024, featuring talks, hands-on workshops, and a craft mela. The event aimed to showcase the latest trends and technological advancements in Fabric and Apparel Science while celebrating the rich heritage of textiles. It provided a platform for students to demonstrate their creative, managerial, and technical skills, facilitating

networking and collaboration among students, industry professionals, and academics. The fest promoted awareness and appreciation of sustainable practices in the textile and apparel industry. The craft mela, a highlight of the fest, featured various artisans exhibiting handmade products such as traditional textiles, handmade jewelry, and handloom sarees, allowing students and visitors to appreciate and purchase unique crafts, thus supporting local artisans.

9. बसंत पंचमी समारोह (14 फरवरी 2024)

बसंत पंचमी पर हमारा परिसर एक जीवंत उत्सव में बदल गया जब छात्रों और संकाय सदस्यों ने मौसम की भावना को अपनाया। प्रतिभागियों ने सुंदर पीले परिधानों या विशिष्ट ढंग से साड़ी पहनकर समारोह में एक विशेष आकर्षण जोड़ा। परिसर को खुशियों के रंगों से भर दिया गया, जिससे एकता और उत्सव का माहौल बना। सभी को प्रोत्साहित किया गया कि वे 30-सेकंड के वीडियो बनाकर या तस्वीरें खींचकर इस पल को कैद करें, जिन्हें बाद में सामूहिक ड्राइव में साझा किया गया ताकि इस घटना को अमर बनाया जा सके। इस सामूहिक भागीदारी ने इस दिन को वास्तव में खास बना दिया, अविस्मरणीय यादें और सामुदायिक भावना को प्रबल किया।

9. Basant Panchmi Celebration (14th February 2024)

On Basant Panchmi, our campus was transformed into a vibrant celebration as students and faculty embraced the spirit of the season. Participants adorned themselves in beautiful yellow attire or uniquely draped sarees, adding a touch of elegance to the festivities. The campus was painted in hues of joy, creating an atmosphere of unity and celebration. Everyone was encouraged to capture the moment by making 30-second videos or clicking pictures, which were then shared in a communal drive to

immortalize the event. This collective participation made the day truly special, fostering unforgettable memories and a strong sense of community spirit.

10. सूरजकुंड मेला दौरा (15 फरवरी 2024)

MSc प्रीवियस, UG पास कोर्स और ऑनर्स के छात्रों ने सूरजकुंड मेले का दौरा किया। इस साल का थीम "गुजरात" था, जिसका उद्देश्य गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करना था। छात्रों ने विभिन्न पारंपरिक शिल्प, वस्त्र और सांस्कृतिक प्रदर्शनियों का अन्वेषण किया, जिससे राज्य की विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों के प्रति उनकी प्रशंसा गहरी हुई। इस अनुभव ने उन्हें क्षेत्रीय शिल्पकला और परंपराओं की व्यावहारिक समझ प्रदान की, उनके शैक्षणिक ज्ञान को बढ़ाया और भविष्य की रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरणा दी।

10. Visit to Surajkund Mela (15th February 2024)

Students from MSc previous, UG pass course, and honours visited the Surajkund Mela. The theme of the year "Gujarat" aimed at providing valuable insights into Gujarat's rich cultural and artistic heritage. The students explored a variety of traditional crafts, textiles, and cultural performances, gaining a deeper appreciation for the state's diverse artistic expressions. The experience offered a hands-on understanding

of regional craftsmanship and traditions, enhancing their academic learning and inspiring future creative endeavors.

11. भारत टेक्स एक्सपो का दौरा **(25 फरवरी 2024)**

M.Sc [FAS] के छात्रों ने भारत टेक्स एक्सपो का दौरा किया, जो कपड़ा उद्योग में नवीनतम नवाचारों और रुझानों को प्रदर्शित करने वाला प्रमुख कार्यक्रम है। एक्सपो में उन्नत कपड़ा मशीनरी, स्थायी कपड़े और अत्याधुनिक फैशन तकनीकों सहित विभिन्न प्रदर्शनियाँ शामिल थीं। इस दौरे ने छात्रों को उद्योग की प्रगति और उभरती प्रौद्योगिकियों पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की। उन्होंने उद्योग पेशेवरों के साथ बातचीत की, वर्तमान प्रथाओं और कपड़ा और परिधान के भविष्य के दिशा-निर्देशों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया। इस अनुभव ने उनके उद्योग के समझ को बढ़ाया, प्रेरणा दी और उनके शैक्षणिक और पेशेवर प्रयासों में व्यावहारिक ज्ञान को लागू किया।

11. Visit to Bharat Tex Expo (25th February 2024)

Students of M.Sc [Fas] visited the Bharat Tex Expo, a premier event showcasing the latest innovations and trends in the textile industry. The expo featured a wide range of exhibits, including advanced textile machinery, sustainable fabrics, and cutting-edge fashion technologies. This visit provided students with valuable insights into industry advancements and emerging technologies. They engaged with industry

professionals, gaining firsthand knowledge of current practices and future directions in textiles and apparel. The experience enhanced their understanding of the industry, fostering inspiration and practical knowledge applicable to their academic and professional pursuits.

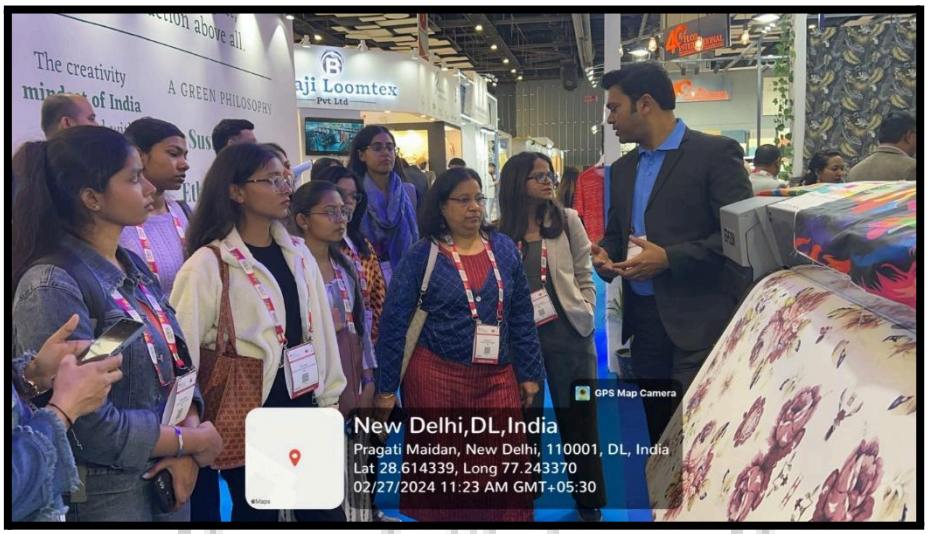

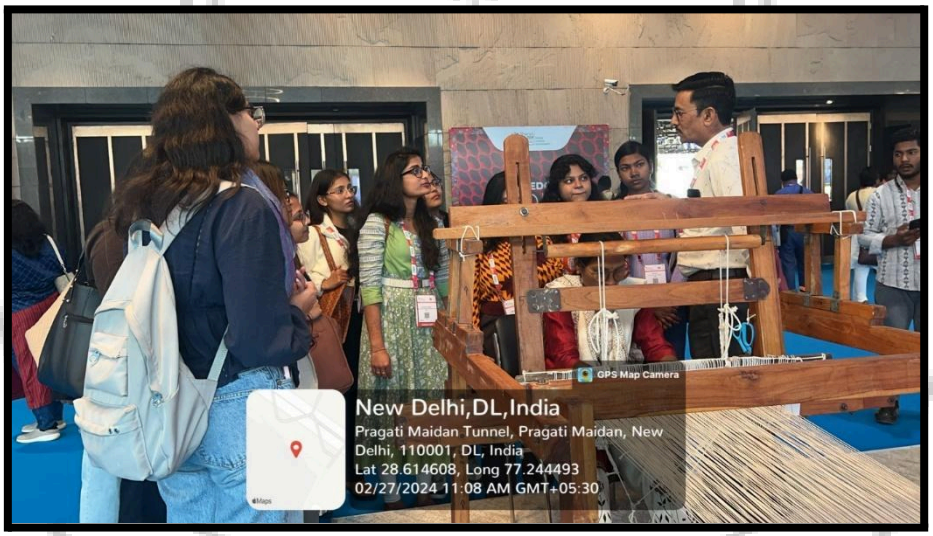

12. स्टाइलिंग कार्यशाला **(6 मार्च 2024)**

IHE के प्लेसमेंट सेल ने फैब्रिक और एपरल साइंस (FAS) विभाग और पर्ल अकादमी के सहयोग से "स्टाइल लाइक एन इन्फ्लुएंसर" पर एक वार्ता का आयोजन किया। वक्ता, सुश्री हिना परिमू, सीनियर स्टाइलिस्ट और क्रिएटिव डायरेक्टर/एसिस्टेंट प्रोफेसर पर्ल अकादमी और लंदन कॉलेज ऑफ फैशन की स्नातक, ने 80-100 छात्रों की उपस्थिति में बात की। सुश्री परिमू ने व्यक्तिगत स्टाइल को परिभाषित करने, स्टाइलिंग और डिजाइनिंग के बीच अंतर और फैशन इन्फ्लुएंसर्स के प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने व्यक्तिगत स्टाइल विकास में प्रामाणिकता, निरंतरता और फीडबैक के महत्व पर जोर दिया। वार्ता में फैशन इन्फ्लुएंसर बनने की रणनीतियाँ और सफल इन्फ्लुएंसर्स के उदाहरण शामिल थे। सत्र का समापन छात्रों के लिए विजन बोर्ड बनाने के असाइनमेंट के साथ हुआ, जिससे उन्हें अपने स्टाइल का अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस वार्ता ने छात्रों को प्रामाणिकता अपनाने और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को अपने फैशन अभिव्यक्ति में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

12. Styling Workshop (6th March 2024)

The Placement Cell of IHE, in collaboration with the Department of Fabric and Apparel Science (FAS) and Pearl Academy, organized a talk on "Style like an Influencer". The speaker, Ms. Henna Parimoo, Senior Stylist & Creative Director/Assistant Professor at Pearl Academy and a graduate of the London College of Fashion, addressed an audience of 80-100 students. Ms. Parimoo discussed defining personal style, distinguishing between styling and designing, and the influence of fashion influencers. She emphasized the importance of authenticity, consistency, and feedback in personal style development. The talk included strategies for becoming a fashion influencer and showcased examples of successful influencers. The session concluded with an assignment for students to create vision boards, encouraging them to explore their style. The talk inspired students to embrace authenticity and incorporate Indian cultural heritage into their fashion expression.

13. NITRA का दौरा (29 मार्च 2024)

M.Sc [FAS] के छात्रों ने उत्तरी भारत टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (NITRA) का दौरा किया, जो कपड़ा उद्योग में अग्रणी अनुसंधान और विकास संगठन है। इस दौरे में नाइट्रा की अत्याधुनिक सुविधाओं का एक सूचनात्मक दौरा शामिल था, जहाँ छात्रों ने उन्नत कपड़ा परीक्षण, अनुसंधान और नवाचार प्रक्रियाओं को देखा। इस अनुभव ने उनके अध्ययन के व्यावहारिक अनुप्रयोगों की व्यापक समझ प्रदान की, और उद्योग में प्रगति को आगे बढ़ाने में अनुसंधान के महत्व को उजागर किया। इस दौरे ने छात्रों के शैक्षणिक ज्ञान को समृद्ध किया और उन्हें कपड़ा विज्ञान में नवाचारी समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया।

13. Visit to NITRA (29th March 2024)

Students of M.Sc [FAS] visited the Northern India Textile Research Association (NITRA), a leading research and development organization in the textile industry. The visit included an informative tour of NITRA's state-of-the-art facilities, where students observed advanced textile testing, research, and innovation processes. The experience provided a comprehensive understanding of the practical

applications of their studies, highlighting the importance of research in driving industry advancements. This visit enriched the students' academic knowledge and inspired them to explore innovative solutions in textile science.

14. तीन ब्रांड के विंडो डिस्प्ले पर प्रतियोगिता **(18 अप्रैल 2023)**

फैशन उद्योग में ब्रांड व्यक्तित्व को एक से अधिक तरीकों से संप्रेषित किया जा सकता है। संलग्न छवियों में तीन ब्रांड - चैनल, डायर और गुच्ची के विंडो डिस्प्ले का एक मॉडल है, जो कि स्प्रिंग-समर 2024 के लिए उनके द्वारा प्रस्तुत थीम पर आधारित है। छात्रों द्वारा चैनल द्वारा संग्रह की "3 बटन" कहानी सुनाई गई है। मॉडल एम.एस.सी ,सेमेस्टर 4, द्वारा वास्तविक समय में किए गए विंडो डिस्प्ले की एक रमणीय अभिव्यक्ति है। विकसित भारत के लिए 'विजुअल मर्चेंडाइजिंग' की दिशा में कौशल के व्यावहारिक अभ्यास में शामिल किया गया।

14. Competition on window display of three brands (18th April 2023)

Brand personality in the fashion industry can be communicated in more than one way. In the attached images is a model of window display of three brands - Chanel, Dior and Gucci in the themes that they are projecting for Spring- summer 2024. Narrated by the students is the 3 button story of the collection by Chanel. The models are a delightful expression of the window display in real time done by MSc Sem 4. covered in practical exercise of skilling towards 'Visual Merchandising" for Viksit Bharat.

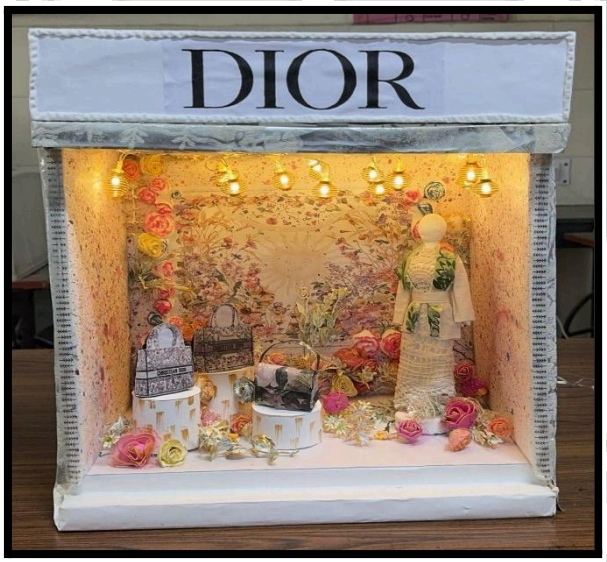

15. अल्पकालिक पाठ्यक्रम: द अपसाइक्ल्ड बैग प्रोजेक्ट **(20 जून - 30 जून 2024)**

कपड़ा और परिधान विज्ञान विभाग ने 20 जून से 30 जून 2024 तक 30 घंटे की अवधि के साथ अपसाइकल्ड बैग प्रोजेक्ट पर एक लघु अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक या समकालीन परिप्रेक्ष्य में बैगों के वर्गीकरण का पता लगाना है, चाहे वह कांथा का अर्सिलटा हो, रबड़ी का पोटली बैग हो या लुई वुइटन का बेल्ट बैग हो। चूंकि आज उत्पाद नवाचार "सर्कुलरिटी" के इर्द-गिर्द घूमता है, इसलिए इस परियोजना का उद्देश्य पोस्ट-इंडस्ट्रियल और पोस्ट-कंज्यूमर दोनों तरह के कपड़ा अपशिष्ट का उपयोग करके रंगाई, छपाई, कढ़ाई आदि की तकनीकों के मिश्रण में बैगों का एक संग्रह बनाना है। इस कोर्स के लिए लगभग 22 छात्रों ने पंजीकरण कराया है।

15. Short term course on The Upcycled Bag Project (20th June-30th June 2024)

FAS Department organised a short-term course on -The Upcycled Bag Project, from 20th June-30th June 2024 with duration of 30 hours. This course aims to explore the classification of bags in traditional or contemporary perspective, be it arsilata of kantha, a potli bag of rabaris or a belt bag of Louis Vuitton. As product innovation today revolves around “Circularity”, this project further aims to make a collection of bags in a fusion of techniques of dyeing, printing, embroidery etc., using textile waste- both post-industrial and post-consumer use. Around 22 students have registered for this course.